भिलाई इस्पात सन्यन्त्र द्वारा अर्जित विदेशी मुद्रा के बारे में तारांकित प्रश्न संख्या 787 के उत्तर में शुद्धि

CORRECTION OF ANSWER TO S. Q. No. 787 RE. FOREIGN EXCHANGE EARNED BY BHILAI STEEL PLANT

इस्पात और भारी इंजीनियरी मंत्रालय में राज्यमंत्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त) : लोक सभा में 17-12-68 को भिलाई इस्पात कारखाने द्वारा विदेशी मुद्रा कमाने के बारे में तारांकित प्रश्न संख्या 787 पर पूछे गये अनुपूरक प्रश्नों के उत्तर में राज्यमंत्री श्री प्र० चं० सेठी ने कहा था कि पूर्वी अफ्रीका के एक देश ने दो साल पूर्व निर्यात की गई कुछ रेल की पटरी को अस्वीकार कर दिया था। हिन्दुस्तान स्टील लि० ने हमें बताया है कि हिन्दुस्तान स्टील लि० द्वारा निर्यात की गई रेल की पटरी को किसी देश ने अस्वीकार नहीं किया था। 17-12-68 को दिये गये वक्तव्य को मैं इस सीमा तक ठीक करता हूं।

लोक सभा के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री नीलम संजीव रेड्डी की सराहना

TRIBUTE TO SHRI N. SANJIVA REDDY EX-SPEAKER, LOK SABHA

प्रधान मंत्री, वित्त मंत्री, अणु शक्ति मंत्री तथा योजना मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) :

उपाध्यक्ष महोदय : मैं निम्नलिखित प्रस्ताव पेश करती हूं :

"कि श्री एन० संजीव रेड्डी ने इस सभा के अध्यक्ष के रूप में इसकी कार्यवाहियों के समय जिस गरिमा एवं महान सफलता से अध्यक्षता की उसकी यह सभा अत्यन्त सराहना करती है।"

मुझे पूर्ण विश्वास है कि सभा के सब सदस्य मेरी इस बात से सहमत होंगे कि श्री रेड्डी ने यद्यपि इस सभा की अध्यक्षता केवल दो वर्ष की परन्तु इतनी सफलता से की कि उन्होंने अपने तथा पद के लिए सम्मान अर्जित किया है। सभा में कठिन से कठिन समस्या का उन्होंने अपनी कुशाग्र बुद्धि और उपहास वृत्ति से समाधान खोजा। उन्होंने निष्पक्षता से काम किया और अपने लिए गरिमा और प्रतिष्ठा अर्जित की मुझे आशा है आप उनकी सराहना करने में मेरा साथ देंगे।

उपाध्यक्ष महोदय : चूंकि सराहना का यह प्रस्ताव सभा के नेता ने रखा है इसलिए इस पर वाद-विवाद नहीं होना चाहिए। यह एकमत से स्वीकार कर लिया जाना चाहिए।

प्रस्ताव एक मत से स्वीकृत हुआ

The Motion was adopted unanimously

श्री समर गुह (कन्टाई) : श्रीमान्, मैं यह जानना चाहता हूं कि अध्यक्ष का निर्वाचन कब तक किया जायेगा। संविधान के अनुच्छेद 93 के अनुसार अध्यक्ष पद के सिद्ध होने पर उसके लिए निर्वाचन शीघ्र होना चाहिए।

श्री रंगा (श्रीकाकुलम) : हम यह आश्वासन चाहते हैं कि अगले अध्यक्ष का निर्वाचन शीघ्र किया जाये ।

उपाध्यक्ष महोदय : सरकार ने यह बात नोट कर ली है । और इस मामले में सभा का नेता कार्यवाही करेगा ।

संसदीय कार्य और नौवहन तथा परिवहन मंत्री (श्री रघुरामैया) : सरकार इस मामले पर विचार कर रही है और शीघ्र ही निर्णय करेगी ।

भारतीय रेलवे (संशोधन) अध्यादेश के बारे में संकल्प—अस्वीकृत और भारतीय रेलवे (दूसरा संशोधन) विधेयक

RESOLUTION RE. INDIAN RAILWAYS (AMENDMENT) ORDINANCE—NEGATIVED AND INDIAN RAILWAYS (SECOND AMENDMENT) BILL

Shri Hukam Chand Kachwai (Ujjain): Mr. Deputy Speaker, yesterday an ordinance was being discussed in the House, in which there is a provision to increase penality from 50 paise to Rs. 10/– on ticketless travel. While collecting the penality fare or apprehending the ticketless travellers the T. T. E. is put to several hardships. He has to face a number of problems. Sometimes he is beaten by and he is killed too in some cases. I would like to know whether Government have considered these problems faced by T. T. Es. I would like to suggest that these railway employees should be given incentives. Every possible measure should be taken to ensure the safety of their life. In case of their murder etc. at least a sum of Rs. 20,000/– should be paid to their families as compensation.

There are different rules in the nine railways. These persons should be treated as running staff. The reasons for this were that the T.T.Es. helped the resolutionaries like Shri Khudi Ram Bose to travel from one place to another. It led the British Government to frame rules against them where in they were not included in running staff.

[**श्री रा० ढो० भण्डारे पीठासीन हुए**
Shri R. D. Bhandare in the Chair]

It is also stated that there is a proposal to replace T.T.Es. with Attendants who will not have the power to issue Tickets. The T.T.Es. are educated and competent persons. If these T.T.Es. replace the General Managers drawing 3, 4 or even 5 thousand rupees, I believe that they would perform the work satisfactorily.

The T.T.Es. are told to collect 4 thousand rupees in a month. If they fail to find sufficient ticketless travellers they are taken to task and for these reasons their promotions are withheld. They are asked to explain the reasons for non-collection of the target amount. There is a great discontentment among T.T.Es. and the Hon. Minister should consider their case sympathetically.

You have imposed vigilance over them and rely too much on their findings. But there are instances of false cases having been instituted by the vigilance.

The khaki uniforms issued to T.T.Es. are below their dignity.